



पार्किंसंस रोग में अवसाद (डिप्रेशन), बेचैनी(एंगजायटी)और उदासीनता: मरीजों के लिए अहम तथ्य

क्या पार्किंसंस रोग मनोदशा को प्रभावित कर सकता है?

हां, पार्किंसंस रोग में मोटर लक्षणों के अलावा कई सारे गैर-मोटर लक्षण भी होते हैं (अर्थात, यह शरीर की हरकत से संबंधित नहीं है)। मनोदशा की समस्याएं महत्वपूर्ण और लगातार दिखाई पड़ती हैं। कुछ रोगियों के लिए यह, मोटर की कठिनाइयों से अधिक महत्वपूर्ण होता है और यह जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करता है।

पार्किंसंस रोग में सामान्य मनोदशा क्या हैं?

अवसाद, बेचैनी और उदासीनता पार्किंसंस रोगियों को प्रभावित करने वाले सामान्य मनोदशा हैं।

- **अवसाद-** इस अवस्था में कभी-कभी खालीपन या ग्लानि की भावनाओं के साथ, निम्न मनोदशा, उदासी, निराशा की स्थिति होती है।
- **एंगजायटी-** इस अवस्था में घबराहट, चिंता, तनाव और उलझन की भावना होती है। एंगजायटी से ग्रस्त रोगियों को अचानक ही भय या घबराहट का अनुभव हो सकता है।
- **उदासीनता** के लक्षण के कारण रुचि, उत्साह, या चीजों को करने या अन्य लोगों के साथ रहने की प्रेरणा की कमी हो जाती है।

मनोदशा में बदलाव कब जाहिर होता है?

मनोदशा में बदलाव कभी भी हो सकता है। कुछ रोगियों में मोटर समस्या से भी पहले मनोदशा में बदलाव दिखने लगता है। कुछ लोग पार्किंसंस रोग से सालों ग्रसित होने के बाद इस बदलाव को भांप पाते हैं। कुछ रोगियों में मनोदशा में बदलाव डोपामिनर्जिक दवाओं के कारण भी दिखाई देता है। उदाहरण के लिए, अक्सर "ऑफ" पीरियड में, दवाओं का सेवन कम होने पर बेचैनी होने लगती है।

हम मनोदशा में बदलाव को कैसे पहचान सकते हैं?

अवसाद और बेचैनी, अक्सर ऊर्जा की कमी और थकान, भूख में कमी और नींद की समस्याओं को साथ लाते हैं। लेकिन ये समस्याएं अपने आप भी हो सकती हैं, इसलिए उनके होने का मतलब हमेशा यह नहीं है कि आप अवसादग्रस्त हैं। कभी-कभी अन्य लक्षण आपके बजाय आपके परिवार और दोस्तों को अधिक दिखाई पड़ते हैं। इनमें शामिल हो सकते हैं:

- भय में वृद्धि
- अधिक चिड़चिड़ापन
- समाजिक दूरी
- पारिवारिक आयोजनों या गतिविधियों में भागीदारी का अभाव

मनोदशा में बदलाव को कैसे पहचाना जा सकता है?

अपने डॉक्टर को तुरंत मनोदशा, नींद या भूख में बदलाव के बारे में बताएं ताकि आपका निदान और उपचार शुरू किया जा सके। आपका डॉक्टर निम्न बातें पूछ सकता है:

- लक्षण कब शुरू हुए
- लक्षण आपको कितना परेशान करते हैं
- साथ में जुड़े कोई अन्य लक्षण
- दवाओं के समय से जुड़ी कोई बात

यदि आपके पास एक जीवनसाथी या देखभाल करने वाला है, तो वे आपकी मनोदशा, व्यवहार और / या नींद में देखे गए किसी अन्य परिवर्तन की जानकारी देकर भी मदद कर सकते हैं।

मनोदशा में बदलाव क्यों होता है?

पार्किंसंस रोग, मस्तिष्क के क्षेत्रों में कुछ बदलाव का कारण बन सकता है जो मनोदशा को नियंत्रित करते हैं। यह बीमारी डोपामाइन, सेरोटोनिन और नॉरएड्रेनालाईन जैसे न्यूरोनल मेसेंजर्स को कम कर सकती है, जो अन्य



International Parkinson and
Movement Disorder Society

पार्किंसंस रोग में अवसाद (डिप्रेशन), बेचैनी(एंग्जायटी)और उदासीनता: मरीजों के लिए अहम तथ्य

मनोदशा संबंधित समस्याओं का कारण बनता है।
आपकी बीमारी के प्रति आपकी प्रतिक्रिया और कुछ
मनोसामाजिक कारक भी इन लक्षणों को जन्म दे सकते
हैं।

पार्किंसंस रोग में मनोदशा में बदलाव का इलाज कैसे किया जाता है?

मनोदशा में बदलाव का इलाज करने के विभिन्न तरीके हैं
जिनमें शामिल हैं:

- डिप्रिसेंट और एंग्जायटी में इस्तेमाल की जाने
वाली दवाएं अवसाद और बेचैनी का इलाज
कर सकती हैं।
- डोपामाइन दवाएं जो शारीरिक हरकतों के
लक्षणों में सुधार करती हैं, अवसाद और चिंता
को भी सुधार सकती हैं, खासकर अगर यह
दवा समय में बदलाव के साथ लिया जाता है।
- मनोचिकित्सा अवसाद और चिंता में मदद कर
सकती है।
- प्रोग्राम की गई गतिविधियां, व्यायाम और
सामाजिक तौर पर मिलना, उदासीनता के
इलाज में मदद कर सकता है।
- तनाव से बचने के लिए अधिक नींद और
सामाजिक समर्थन मददगार हो सकता है।

सारांश

- अवसाद, बेचैनी और उदासीनता पार्किंसंस
रोग के लक्षण हो सकते हैं और यह काफी
सामान्य है।
- वे मोटर समस्याओं के शुरू होने से पहले भी
दिखाई दे सकते हैं, या बीमारी के दौरान बाद
में विकसित हो सकते हैं।
- अपने डॉक्टर को इन लक्षणों के बारे में बताना
महत्वपूर्ण है क्योंकि आपके पास विशिष्ट
उपचार विकल्प मौजूद हैं।
- इन लक्षणों के इलाज के लिए दवाएं,
मनोचिकित्सा और सामाजिक सहायता मुख्य
उपकरण हैं

कॉपीराइट © 2018 अंतर्राष्ट्रीय पार्किंसंस एंड मूवमेंट डिसऑर्डर सोसायटी (एमडीएस)। सभी अधिकार सुरक्षित।

InternationalParkinsonandMovementDisorderSociety

555 East Well Street, Suite 1100 • Milwaukee, WI 53202 • +1 414-276-2145 • www.movementdisorders.org